mechanism' and 'incentive mechanism.' मेरा सरकार से आग्रह है कि वह हिमाचल प्रदेश के लिए compensation दे - यह कोई सरकार की बात नहीं है - पिछली बार 12 हज़ार करोड़ रुपये की मांग थी, कम से कम उसे पूरा करें और अभी जो नुकसान हुआ है, उसकी क्षतिपूर्ति करें। यह सबके हित में है, देश के हित में है। इसलिए मैं मांग करता हूं कि पर्यावरण संरक्षण आदि के लिए हिमाचल सरकार को जो मुआवज़ा देना है, वह दिया जाए। प्रधान मंत्री जी और गृह मंत्री जी ने आश्वासन दिया है। मुझे उम्मीद है कि वे इस दिशा में निश्चित रूप से सहायता करेंगे।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Rajeev Shukla: Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shri Saket Gokhale (West Bengal), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Prakash Chik Baraik (West Bengal), Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh), Shri Sant Balbir Singh (Punjab), Ms. Sushmita Dev (West Bengal), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Dr. Sasmit Patra (Odisha), and Shri Anil Kumar Yadav Mandadi (Telangana).

Demand to address the problem of pollution in Yamuna river

MS. SWATI MALIWAL (National Capital Territory of Delhi): Sir, I thank you for giving me an opportunity to speak. सर, दिल्ली वाले बहुत सौभाग्यशाली है कि यहां से यमुना नदी गुज़रती है, जिसका वर्णन हमारे वेदों में और महाभारत में भी है, पर आज बहुत दुख की बात है कि यह नदी हमारी नाकामी की वजह से एक तरीके से नाला बन गई है। इस नदी की सदियों से पूजा होती आई है, पर आज दिल्ली में 22 नाले इस नदी में गिरते हैं, यमुना नदी में गिरते हैं और हर दिन इस नदी के अंदर 238 million gallon untreated sewage डाला जा रहा है। सर, हालात यह हो गए हैं कि यह नदी ज़हरीला झाग ज्यादा दिखती है और पानी कम। इस नदी का बहुत छोटा सा अंश दिल्ली से गुज़रता है, लेकिन उसी अंश में 76 per cent of the Yamuna gets polluted. हालात बहुत खराब हैं। 55 sewage treatment plants की urgently ज़रूरत है, जिनमें से दिल्ली में सिर्फ 35 हैं, उनमें से 22 तो standards भी meet नहीं करते। दिल्ली में हर दिन illegal तरीके से कई industries और factories इस नदी में heavy metals, toxic chemicals बहाती हैं, उसकी वजह से हमारी ज़िन्दगी में ज़हर घोला जा रहा है, जिसके ऊपर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। सर, 2021 में दिल्ली सरकार ने यह वादा किया था कि वह यमुना नदी को 2025 से पहले इतना साफ़ कर देगी कि वे खुद उसमें डुबकी लगाएंगे, पर हज़ारों करोड़ रुपए खर्च होने के बावजूद आज भी स्थिति वैसी की वैसी ही है।

सर, हालात बहुत खराब हैं। यमुना नदी हमारी मां है और वह आज वेंटिलेटर पर है। अब बस राजनीति हो रही है। सर, मैं कहना चाहती हूं कि ये खोखले बयानबाजी, * वादे, ये ब्लेम गेम

* Expunged as ordered by the Chair.

करने से दिल्ली की दशा नहीं बदलेगी। मैं दिल्ली सरकार को कहना चाहती हूं कि जब तक उनकी नीयत साफ नहीं होगी, तब तक यमुना का पानी साफ नहीं हो सकता। महोदय, मेरा यह कहना है कि दिल्ली में सीवेज ट्रीटमेंट प्लान्ट्स को हमें युद्ध स्तर पर बनाना ही होगा, नहीं तो यमुना नदी का यही हाल रहेगा और इसके लिए हमें केन्द्र सरकार के सहयोग की भी पूरी जरूरत है। सर, मैंने कुछ पंक्तियां लिखी हैं और मैं उनको बोलना चाहती हूं।

"यमुना के किनारे बैठी अब भी वो चिड़िया कहती है
सपने हसीन दिखाए थे सरकार ने
पर आज भी मेरी यमुना जहर पीकर बहती है।"

सर, वादा था यमुना को शुद्ध बनाएंगे, पहली डुबकी खुद लगाएंगे। डुबकी चाहे अब मत लगाओ, अहंकार छोड़ो, काम पर लग जाओ।...(**समय की घंटी**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour matter raised by the hon. Member, Ms. Swati Maliwal: Dr. John Brittas (Kerala), Ms. Indu Bala Goswami (Himachal Pradesh), Shri Sant Balbir Singh (Punjab), Shrimati Seema Dwivedi (Uttar Pradesh), Shri Neeraj Shekhar (Uttar Pradesh), Shri Naresh Bansal (Uttarakhand), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh), Shri Jawhar Sircar (West Bengal), Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba (Manipur), Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh), Shrimati S. Phangnon Konyak (Nagaland), Shri Ram Chander Jangra (Haryana), Shri Deepak Prakash (Jharkhand), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Krishan Lal Panwar (Haryana), Shri Brij Lal (Uttar Pradesh), Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand), Shri Madan Rathore (Rajasthan), Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh), Dr. Laxmikant Bajpayee (Uttar Pradesh), Shri Mithlesh Kumar (Uttar Pradesh), Shrimati Dharmshila Gupta (Bihar), Ms. Kavita Patidar (Madhya Pradesh), Shri Amar Pal Maurya (Uttar Pradesh), Shri Pradip Kumar Varma (Jharkhand), Shri Balyogi Umeshnath (Madhya Pradesh), Shri Mayankbhai Jaydevbhai (Gujarat), Shri Surendra Singh Nagar (Uttar Pradesh), Shri Sudhanshu Trivedi (Uttar Pradesh), Dr. Bhim Singh (Bihar), Shri Sadanand Mhalu Shet Tanavade (Goa), Shri Babubhai Jesangbhai Desai (Gujarat), Shri Baburam Nishad (Uttar Pradesh), Shri Devendra Pratap Singh (Chhattisgarh), Shrimati Ramilaben Becharbhai Bara (Gujarat), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Dr. Sasmit Patra (Odisha) and Dr. Bhagwat Karad (Maharashtra).